ST. JOSEPH PUBLIC SCHOOL

Kota Barrage Road, Kota-6 (Raj.)

C.B.S.E. New Delhi, **HINDI**	**GUESS PAPER**
Class: **XII**	**2025-26**
Time: **3 HRS**	MM: **80**

सामान्य निर्देश:

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क (अपठित बोध)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (10)** **[10]**

भारतीय शास्त्रीय संगीत की यह एक विलक्षणता है कि एक राग जितनी बार प्रस्तुत होता है- उतनी बार नयापन उभरता है, इसका आकर्षण कभी नहीं चूकता। इसकी समकालीन गुणवत्ता सालों के फ़ासले में नहीं बदलती, यह समय के छोटे-छोटे हिस्से में भी घटित होती है। इसके बावजूद इसमें ऐसा भी तत्त्व है जो कभी नहीं बदलता। वह समय की गति को लाँघ जाता है, शाश्वतता और समकालीनता की यही संधि भारतीय कला विधाओं की निजी पहचान है। भारतीय शास्त्रीय संगीत का आधार तत्त्व लोकगीतों में निहित है। लोकगीतों की धुनों को शास्त्रीय संस्कार देकर अनेक राग बनाए गए हैं। भटियारी, पूरबी, जौनपुरी, सोरठा और मुलतानी जैसे अनेक राग बंगाल, बिहार, पंजाब और सौराष्ट्र के अंचलों में गाए जाने वाले लोकगीतों की धुनों से निर्मित हुए हैं। इतना ही नहीं, प्रकृति में व्याप्त स्वरों से भी रागों की निर्मितियाँ हुई हैं। कई समर्थ गायकों ने आंचलिक गीतों को शास्त्रीय पद्धति में ढालकर विशिष्ट गायकी द्वारा ख्याति अर्जित की है। लोकगीतों का सीधा संबंध प्रकृति से है। प्रकृति में अपना छंद है, लय है। स्वरों की संस्कार-प्रक्रिया तब तक पूरी नहीं होती जब तक प्रकृति के छंदों की अनुभूति से मिली समाहारकारी दृष्टि से राग की प्रकृति और उसे प्रसूत करने वाली प्रकृति के बीच का अंतर्संबंध तय नहीं कर लिया जाता।

संगीत में जिस बिंदु पर लय और ताल एक-दूसरे से मिलते हैं उसे सम कहते हैं। लय है प्रकृति की विभिन्नता - सामयिकता और ताल है एकत्व - शाश्वतता। इन दोनों के मिलन से संस्कृति बनती है। संस्कृति न तो प्रकृति की यथास्थिति की स्वीकृति है, न विद्रोह। यह विभिन्नता में संस्कार द्वारा याचित एकत्व का नाम है। "प्राकृतिक शक्तियों का मनमाना संयोजन विकृति है और सामाजिक मंगल की दृष्टि से उनका संयोजन संस्कृति है।"

(i) भारतीय शास्त्रीय संगीत का आधार तत्त्व क्या है? (1)

क) विदेशी संगीत

ख) लोकगीत

ग) आधुनिक धुनें

घ) पश्चिमी संगीत

(ii) भारतीय शास्त्रीय संगीत में नयापन कब उभरता है? (1)

क) हर नए साल में

ख) हर नए गायक के साथ

ग) हर बार प्रस्तुत होने पर

घ) हर नई धुन के साथ

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (1)

कथन (I): भारतीय शास्त्रीय संगीत में शाश्वतता और समकालीनता का अद्भुत मिलन होता है।

कथन (II): भारतीय शास्त्रीय संगीत का आधार पूरी तरह से पश्चिमी शैलियों पर आधारित है।

कथन (III): रागों का निर्माण केवल प्रकृति से प्रेरित धुनों से ही हुआ है।

कथन (IV): लोकगीतों का सीधा संबंध प्रकृति से है और वे शास्त्रीय संगीत की धरोहर बन गए हैं।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं?

क) केवल कथन (I) और (IV) सही हैं।

ख) केवल कथन (II), (III) और (IV) सही हैं।

ग) केवल कथन (I), (II) और (III) सही हैं।

घ) केवल कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

(iv) रागों की निर्मितियाँ किससे भी हुई हैं? (1)

(v) भारतीय शास्त्रीय संगीत की समकालीन गुणवत्ता कैसे बनी रहती है? (2)

(vi) लोकगीतों का संबंध किससे है और क्यों? (2)

(vii) संस्कृति का स्वरूप क्या है और यह कैसे बनती है? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (8)** **[8]**

यादें होती हैं गहरी नदी में उठी भँवर की तरह
नसों में उतरती कड़वी दवा की तरह
या खुद के भीतर छिपे बैठे साँप की तरह
जो औचक्के में देख लिया करता है
यादें होती हैं जानलेवा खुशबू की तरह
प्राणों के स्थान पर बैठे जानी दुश्मन की तरह
शरीर में धंसे उस काँच की तरह
जो कभी नहीं दिखता
पर जब-तब अपनी सत्ता का
भरपूर एहसास दिलाता रहता है
यादों पर कुछ भी कहना
खुद को कठघरे में खड़ा करना है
पर कहना मेरी मजबूरी है।

i. **निम्नलिखित काव्यांश के अनुसार, "यादें" किस प्रकार अनुभव होती हैं? सही विकल्प चुनिए: (1)**

I. नदी में उठे भँवर की तरह

II. जानलेवा खुशबू की तरह

III. हल्की और सुखद अनुभूति की तरह

IV. शरीर में धंसे काँच की तरह

विकल्प:

क) केवल I और II सही हैं।

ख) केवल III सही है।

ग) I, II और IV सही हैं।

घ) I, III और IV सही हैं।

ii. **कविता में 'काँच की तरह' से यादों का क्या स्वरूप बताया गया है? (1)**

क) स्पष्ट और चमकदार

ख) खतरनाक और अस्पष्ट

ग) अदृश्य लेकिन महसूस करने योग्य

घ) सुंदर और आकर्षक

iii. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान में रखते हुए, कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कर सही विकल्प का चयन करें: (1)**

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. जानलेवा खुशबू	1. दुश्मन की तरह
II. शरीर में धंसा काँच	2. नदी में उठे भँवर की तरह
III. नसों में उतरती कड़वी दवा	3. कड़वे एहसास की तरह

क) I - (1), II - (3), III - (2)

ख) I - (3), II - (2), III - (1)

ग) I - (1), II - (2), III - (3)

घ) I - (2), II - (1), III - (3)

iv. **कविता में 'जानलेवा खुशबू' से यादों का क्या संकेत मिलता है? (1)**

v. **कविता में 'नसों में उतरती कड़वी दवा' और 'शरीर में धंसे उस काँच' के माध्यम से यादों के किस गुण का वर्णन किया गया है? (2)**

vi. **कविता के अनुसार, यादों पर कुछ भी कहना क्यों लेखक की मजबूरी है? (2)**

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. **दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।** **[6]**

   i. **विज्ञापनों का हमारे जीवन पर प्रभाव** विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

   ii. **क्यों पढ़ूँ मैं हिन्दी** विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

   iii. **बेटी बचाओ : बेटी पढ़ाओ** विषय पर निबंध लिखिए। **[6]**

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)** **[8]**

   i. उलटा पिरामिड शैली का विकास कहाँ और क्यों हुआ? **[2]**

   ii. वॉचडॉग पत्रकारिता का आशय बताइए। **[2]**

   iii. **भारतीय कृषि की चुनौती** विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए। **[2]**

   iv. नाटक को **दृश्य काव्य** की संज्ञा क्यों दी जाती है? **[2]**

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (4 X 2 = 8)** **[8]**

   i. बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर है, स्पष्ट करें। **[4]**

   ii. अच्छे लेखन में ध्यान रखने योग्य बातों पर प्रकाश डालिए। **[4]**

   iii. समाचार लेखन और छह ककारों का क्या संबंध है? उनका उल्लेख करते हुए लिखिए कि उनके आधार पर समाचार क्यों लिखे जाते हैं? **[4]**

खंड- ग (आरोह भाग - 2 एवं वितान भाग-2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है।
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।
मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं होऊँ किसके हित चंचल?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।

i. बच्चे नीड़ से किसलिए झाँक रहे होंगे?

क) बाहर घूमने के कारण
ख) माता-पिता की प्रतीक्षा के कारण
ग) भूखा होने के कारण
घ) प्रकृति का आनंद लेने के कारण

ii. चिड़िया अपने बच्चों के लिए चिंतित है, यह कैसे स्पष्ट होता है?

क) चिड़िया की उड़ान की गति से
ख) चिड़िया के मंद गति से उड़ने से
ग) चिड़िया द्वारा बच्चों को अकेला छोड़ने से
घ) बहुत दूर तक उड़ने से

iii. प्रस्तुत काव्यांश में कवि किससे प्रभावित होता है?

क) चिड़िया के बच्चों से
ख) चिड़िया के परों की चंचल गति से
ग) अपनी प्रिय से
घ) प्रकृति की अनुपम महिमा से

iv. कवि के पैरों की गति को कौन-सा भाव शिथिल कर देता है?

क) बच्चों की व्याकुलता
ख) चिड़िया की तीव्र उड़ान
ग) कवि से मिलने को किसी का व्याकुल न होना
घ) समय का तीव्रगति से व्यतीत होना

v. **दिन जल्दी-जल्दी ढलता है** पंक्ति के माध्यम से किसके महत्त्व को दर्शाया गया है?

क) समय के
ख) कवि के
ग) चिड़िया के
घ) बच्चे के

7. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

i. कवि ने खेत की तुलना काग़ज़ से क्यों की है? **छोटा मेरा खेत** कविता के आधार पर लिखिए। **[3]**

ii. **लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप** प्रसंग ईश्वरीय राम का पूरी तरह से मानवीकरण है। सिद्ध कीजिए। **[3]**

iii. कविता की उड़ान को फूलों के समान बताते हुए भी कवि ने यह क्यों कहा है कि कविता का खिलना फूल क्या जाने? **कविता के बहाने** के संदर्भ में लिखिए। **[3]**

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

i. **खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा -** पंक्ति के संदर्भ में अपने क्षेत्र की शरदकालीन सुबह का वर्णन कीजिए। **[2]**

ii. **कैमरे में बंद अपाहिज** कविता का संदेश लिखिए। **[2]**

iii. **अस्थिर सुख पर दुख की छाया** पंक्ति में **दुख की छाया** किसे कहा गया है और क्यों? **बादल राग** कविता के आधार पर बताइए। **[2]**

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जाति-प्रथा गंभीर दोषों से युक्त है। जाति-प्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं रहता। मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रुचि का इसमें कोई स्थान अथवा महत्त्व नहीं रहता। 'पूर्व लेख' ही इसका आधार है। इस आधार पर हमें यह स्वीकार करना पड़ेगा कि आज के उद्योगों में गरीब तो 'अरुचि' के साथ केवल विवशतावश कार्य करते हैं। ऐसी स्थिति स्वभावतः मनुष्य को दुर्भावना से ग्रस्त रहकर चालू काम करने और कम काम करने के लिए प्रेरित करती है। ऐसी स्थिति में जहाँ काम करने वालों का न दिल लगता हो न दिमाग, वहाँ कोई कुशलता कैसे प्राप्त की जा सकती है। अतः यह निर्विवाद रूप से सिद्ध हो जाता है कि आर्थिक पहलू से भी जाति-प्रथा हानिकारक प्रथा है, क्योंकि यह मनुष्य की स्वाभाविक प्रेरणा, रुचि व आत्म-शक्ति को दबाकर उन्हें अस्वाभाविक नियमों में जकड़ कर निष्क्रिय बना देती है।

i. गद्यांश के अनुसार श्रम विभाजन की दृष्टि से जाति-प्रथा दोषपूर्ण क्यों है?

क) व्यक्तिगत भावनाओं को ध्यान में रखने के कारण
ख) व्यक्तिगत रुचियों को ध्यान में न रखने के कारण
ग) मनुष्य को स्वतंत्र छोड़े जाने के कारण
घ) मनुष्य के पेशे को पूर्व लेख से जोड़े जाने के कारण

ii. कार्य निर्धारित होने का क्या दुष्परिणाम होता है?

क) कार्य के प्रति दुर्भावना

ख) कार्य अरुचि के साथ करना

ग) कार्यकुशलता का अभाव

घ) सभी विकल्प सही हैं

iii. कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए क्या आवश्यक है?

क) रुचि के अनुसार काम करने का अवसर प्रदान करना

ख) कार्य को जबरन थोपा जाना

ग) उत्पादकता को कम कर देना

घ) कार्य करने की विशेष छूट प्रदान करना

iv. लेखक श्रम के क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या किसे मानता है?

क) कार्य के प्रति उदासीन न होने को

ख) स्वेच्छानुसार काम न मिलने को

ग) आर्थिक ढाँचे को

घ) जनसंख्या वृद्धि को

v. आर्थिक पहलू से जाति-प्रथा क्यों हानिकारक है?

क) मनुष्य को आत्मकेंद्रित करने के कारण

ख) मनुष्य की रुचि एवं आत्मशक्ति को कम करने के कारण

ग) मनुष्य को नियमों में रखकर सक्रिय बनाने के कारण

घ) मनुष्य को उन्नति के अवसर प्रदान करने के कारण

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

i. **पहलवान की ढोलक** पाठ के आधार पर लुट्टन सिंह को कसरत करने का शौक क्यों लगा? **[3]**

ii. भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई? **[3]**

iii. आशय स्पष्ट कीजिए - जो कवि अनासक्त नहीं रह सका, जो फक्कड़ नहीं बन सका, जो किए-कराए का लेखा-जोखा मिलाने में उलझ गया, वह भी क्या कवि है?.....मैं कहता हूँ कवि बनना है मेरे दोस्तो, तो फक्कड़ बनो। **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

i. लेखक ने पाठ में संकेत किया है कि कभी-कभी बाज़ार में आवश्यकता ही शोषण का रूप धारण कर लेती है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए। **[2]**

ii. **इंदर सेना** सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती है? नदियों का भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्त्व है? **[2]**

iii. **मेरी कल्पना का आदर्श समाज** के आधार पर बताइए कि लोकतंत्र का वास्तविक स्वरूप किसे कहा गया है। **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[10]**

i. यशोधर बाबू अपने रोल मॉडल किशनदा से क्यों प्रभावित हैं? **सिल्वर वैडिंग** कहानी के आधार पर लिखिए। **[5]**

ii. **जूझ** कहानी में चित्रित ग्रामीण जीवन का संक्षिप्त वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। **[5]**

iii. सिन्धु सभ्यता साधन सम्पन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था। प्रस्तुत कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? **[5]**

Note: This guess paper has been prepared with the aim of helping students score good marks; however, it does not guarantee that the Board examination will contain exactly the same questions.